ICAR-CIFE Celebrates Its 64th Foundation Day

ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai celebrated its 64th foundation day on 14 June, 2024. Dr. Sanjay Kumar (Chairman, Agricultural Scientists Recruitment Board, New Delhi) was the Chief Guest of the event. Dr. Sanjay Kumar highlighted the importance of fisheries and aquaculture sector in Indian Economy. He appreciated the efforts of ICAR-CIFE for creating all-rounder quality human resources in the field of fisheries and aquaculture. He urged to work for marginalised fisher and fish farmers to sustain their livelihood and improve their socio-economic conditions.

Dr. Ravishankar C. N. (Director & Vice-Chancellor) highlighted success milestones of the institute since its inception in 1961. He congratulated and appreciated the efforts of all retired and existing leaders and staff of the institute for taking this institute to center of excellence in higher education in fisheries and aquaculture.

On this Occasion, institutional awards, sport Awards and endowment awards were given to staff and students in different categories of scientific, technical and administrative for outstanding contributions. The unique extension and scientific publications were also released on the occasion of foundation day.

Dr. N. P. Sahu (Joint Director) proposed a formal vote of thanks.

आईसीएआर-सीआईएफई ने मनाया ६४ वां स्थापना दिवस

भाकृअनुप-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने १४ जून, २०२४ को अपना ६४ वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ. संजय कुमार (अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली) कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। डॉ. संजय कुमार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में सर्वांगीण गुणवत्ता वाले मानव संसाधन तैयार करने के लिए आईसीएआर-सीआईएफई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने गरीब मछुआरों और मछली किसानों की आजीविका को बनाए रखने और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए काम करने का संस्थान को आग्रह किया।

डॉ. रविशंकर सी. एन. (निदेशक एवं कुलपति) ने १९६१ में संस्थान स्थापना के बाद से संस्थान की सफलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस संस्थान को मत्स्य पालन और जलीय कृषि में उच्च शिक्षा के उत्कृष्टता केंद्र बनाने के लिए संस्थान के सभी सेवानिवृत्त और मौजूदा अधिकारीयों और कर्मचारियों के प्रयासों को बधाई दी और सराहना की।

इस अवसर पर, उत्कृष्ट योगदान के लिए वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक की विभिन्न श्रेणियों में कर्मचारियों और छात्रों को संस्थागत पुरस्कार और खेल पुरस्कार दिए गए। स्थापना दिवस के अवसर पर अद्वितीय विस्तार और वैज्ञानिक प्रकाशन भी जारी किए गए।

डॉ. एन. पी. साहू (संयुक्त निदेशक) ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।